जग मे सुंदर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम
जग मे सुंदर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम (३)
बोलो राम राम राम, बोलो शाम शाम श्याम (३)

माखन ब्रजि मे एक चुरावे, एक बेर भीलनी के खावे (२)
प्रेम् भावः से (२) भरे अनोखे दोनों के है काम
चाहे कृष्ण कहो या राम

एक कंस पापी को मारे (२) , एक दुष्ट रावन संहारे
दोनों दनि के दुःख हरत है (२) दोनों बल के धाम
चाहे कृष्ण कहो या राम

एक राधकिा के संग राजे (२), एक जानकी संग वराजे
चाहे सीता राम कहो (२) या बोलो राधे श्याम

सुंदर राजा राम

बोलो राम राम राम, बोलो श्याम श्याम श्याम (३)